

२. शिल्प

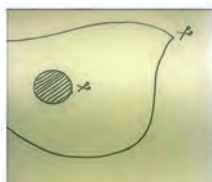
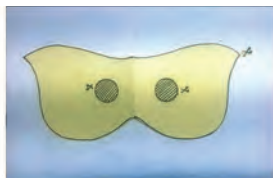
कागजी काम

किसी कठोर या मृदु पदार्थों को उभारवाला आकार देकर, उकेरकर अथवा जोड़कर त्रिमितीय आकार बनाने की कला को 'शिल्पकला' कहते हैं। कागज से भी 'शिल्प' तैयार कर सकते हैं।

कागजी काम के अंतर्गत कागजी मुखौटे कैसे बनते हैं; यह सीखेंगे।

एक आयताकार कागज लेकर आकृति में दर्शाए अनुसार उसकी बीच में तह बनाओ।

- (१) तह बनाई जगह पर आकृति में दर्शाए अनुसार मुखौटे का चित्र बनाओ। मुखौटे का बाहरी आकार तथा आँखों का भाग कैंची से काट लो।
- (२) रंगीन स्केचपेन और रंगीन कागज के टुकड़ों का उपयोग करते हुए अपनी पसंद के अनुसार सजावट करो।
- (३) मुखौटे के भीतरी हिस्से में धागा बाँधो।



मेरी कृति :

- अलग-अलग मुखौटे तैयार कर उनका नाटक में उपयोग करो।
- होली के लिए स्वयं अपने हाथों से मुखौटा तैयार करो।

♦ विद्यार्थियों से उनकी पसंद के अनुसार मुखौटा तैयार करने के लिए कहें।

मिट्टी का कार्य

हमने मिट्टी चालना, भिगोना, गूँथना जैसी क्रियाएँ सीखी हैं। अब तुम्हें अच्छी तरह से मिट्टी गूँथना आता है परंतु मिट्टी-काम में उपयोग में लाई जाने वाली मिट्टी के बहुतेरे प्रकार हैं, जैसे कि -

- (१) प्लास्टीसिन क्ले (२) सफेद मुलायम मिट्टी (३) सादी मिट्टी
(४) लाल रंग की मिट्टी (५) खेत की काली मिट्टी

(१) प्लास्टीसिन क्ले : इस कृत्रिम मिट्टी का उपयोग बार-बार किया जा सकता है। यह कृत्रिम मिट्टी विभिन्न रंगों में पाई जाती है।



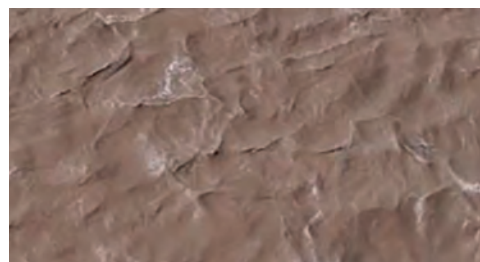
(२) सफेद मुलायम मिट्टी : इस मिट्टी में चिकनाहट होती है। फिर भी पानी में आसानी से घुलती है। इस मिट्टी का उपयोग बार-बार किया जा सकता है। यह मिट्टी पर्यावरणपूरक है। यह भूरे /धूसर (ग्रे) रंग की होती है।



(३) सादी मिट्टी : यह मिट्टी नाला-झरने के किनारे क्षेत्र में या आँगन में मिलती है। इस मिट्टी से भी विभिन्न वस्तुएँ बनाई जाती हैं, परंतु इनमें दरारें निर्माण हो सकती हैं। इस मिट्टी में गोबर, कपास, भूसा मिलाने तथा उनसे शिल्प निर्मिति करने पर उनमें दरारें कम पड़ती हैं।



(४) लाल रंग की मिट्टी : इस मिट्टी का उपयोग बागबानी के लिए होता है। लाल रंग की इस मिट्टी में चिकनाहट पाई जाती है। इस मिट्टी को कपड़े में चालने से यह हाथों को मुलायम लगती है। यह मिट्टी आसानी से उपलब्ध होती है।



(५) खेत की काली मिट्टी : काले रंग की यह मिट्टी खेत में पाई जाती है। इसमें चिकनाहट होती है।



♦ विद्यार्थियों को परिसर में उपलब्ध होनेवाली मिट्टी के विभिन्न प्रकार दिखाएँ तथा उनका संग्रह करने के लिए कहें।



मेरी कृति :

- परिसर में मिट्टी का काम करने वाले कारीगरों से प्रत्यक्ष मिलकर उनका साक्षात्कार लो ।
- अपनी पसंद के अनुसार मिट्टी के बरतन, वस्तुएँ तैयार करो ।

मेरे मित्र द्वारा बनाई गई मिट्टी की वस्तुएँ



मैंने बनाई मिट्टी की वस्तुओं के नाम

- ◆ विद्यार्थियों को अपनी पसंद के अनुसार बरतन, वस्तुएँ तैयार करने हेतु मार्गदर्शन करें ।

अन्य माध्यमों का उपयोग

हमारे आस-पास ऐसी अनेक वस्तुएँ होती हैं, जिनका हम पहले उपयोग करते हैं और कुछ दिनों बाद वे ही वस्तुएँ हमारे लिए अनुपयोगी बन जाती हैं परंतु उन वस्तुओं का कोई हिस्सा टिकाऊ होता है; आकार सुंदर होता है। अतः उन्हें फेंका भी नहीं जाता। चलो तो फिर ऐसी वस्तुओं का उपयोग करके कोई कलाकृति तैयार करते हैं।

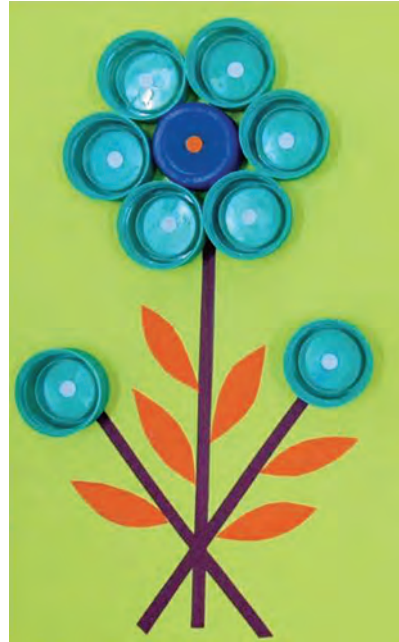
अनुपयोगी ढक्कनों द्वारा कलाकृति

सामग्री :

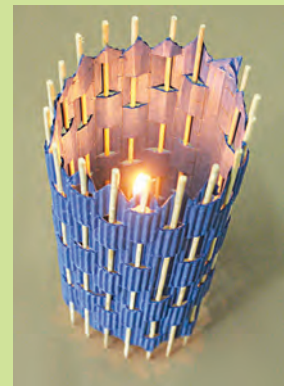
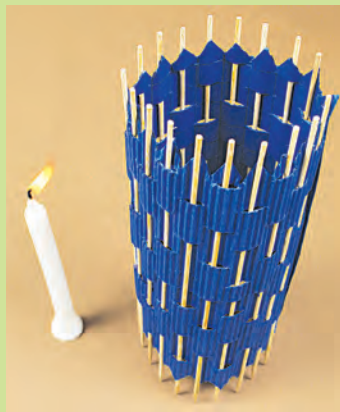
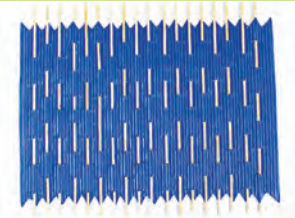
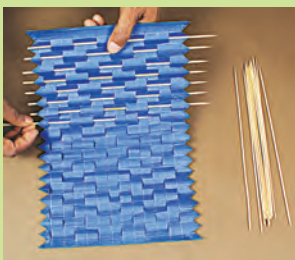
विविध आकारों के ढक्कन, गत्ता, हरे रंग की कागज की पट्टी, गोंद आदि।

कृति :

- गत्ते पर अपनी पसंद के अनुसार ऐसे ढक्कनों की रचना करते हुए फूल बनाओ। उसमें हरे रंग की कागजी पट्टी को डंठल व पत्ते के रूप में काटकर चिपकाओ। इसके अतिरिक्त तुम्हें कुछ अलग सूझता है क्या, यह सोचो!



मेरी कृति : • करके देखो।



♦ विद्यार्थियों से अपनी कल्पना से कलाकृति तैयार करने के लिए कहें। आवश्यकता होने पर मार्गदर्शन करें।